12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 13 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com Bharat samman Bharat Samman

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

हो जाओ सावधान...

वर्ष-13 अंक-160 | अम्बिकापुर, मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

छत्तीसगढ़ में पहली बार 18 महिला विधायक पहुंचेंगी सदन

भाजपा से 8 और कांग्रेस से 10 ने दर्ज की है जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विधानसभा में पहली बार एक साथ निर्वाचित होकर 18 महिलाएं सदन पहुंचेंगी। इनमें भाजपा से आठ और कांग्रेस से 10 विधायक होंगी। प्रदेश के सरगुजा संभाग से सबसे अधिक छह महिलाएं विधायक चुनी गई हैं। बता दें कि इस बार भाजपा ने 15 और कांग्रेस ने 18 महिलाओं को टिकट दिया था। वर्ष 2018 के चुनाव में 13 महिलाएं सदन पहुंची थीं। इसके बाद उपचुनाव में तीन महिलाएं और जीती थीं।

भाजपा की आठ नवनिर्वाचित महिला विधायक

भरतपुर-सोनहट से रेणुका सिंह, भटगांव से लक्ष्मी राजवाड़े, प्रतापपुर शकुंतला सिंह पोर्ते, सामरी से उद्धेश्वरी पैकरा, जशपुर से रायमुनि भगत, पत्थलगांव से गोमती साय, पंडरिया से भावना बोहरा और कोंडागांव से लता उसेंडी शामिल हैं।

कांग्रेस की नवनिर्वाचित 10 महिला विधायक

लैलूंगा से विद्यावती सिदार, सारंगढ़ से उत्तरी जांगड़े, सरायपाली से चातुरी नंद, बिलाईगढ़ से कविता प्रान लहरे, सिहावा से अंबिका मरकाम, संजारी बालोद से संगीता सिन्हा, डौंडीलोहारा से अनिला भेड़िया, खैरागढ़ से यशोदा निलंबर वर्मा, डोंगरगढ़ हर्षिता स्वामी बघेल और भानुप्रतापपुर से सावित्री मनोज मंडावी शामिल हैं।

चुनावों में महिलाओं की दावेदारी

चुनावी वर्ष	महिला प्रत्याशी	विजेता
2023	155	18
2018	115	16
2013	83	10
2008	94	12
2003	62	6

पिछले चुनावों में इस तरह पहुंचीं महिलाएं- 2003 के चुनाव में भाजपा ने छह और कांग्रेस ने आठ महिलाओं को टिकट दिया। इनमें भाजपा की चार और कांग्रेस की एक भी महिला चुनाव नहीं जीत पाई। 2008 के चुनाव में भाजपा ने 10 और कांग्रेस ने 10 महिलाओं को टिकट दिया। इनमें भाजपा की छह और कांग्रेस की पांच महिलाएं चुनाव जीतीं। 2013 के चुनाव में भाजपा ने 10 और कांग्रेस ने 12 महिलाओं को टिकट दिया। इनमें भाजपा की छह और कांग्रेस की चार महिलाएं चुनाव जीतीं। 2018 के चुनाव में भाजपा ने 14 और कांग्रेस ने 13 महिलाओं को मैदान में उतारा था। पहले परिणाम में भाजपा से एक और कांग्रेस से 12 महिलाएं चुनाव जीतीं। उपचुनाव के बाद कांग्रेस से तीन और महिलाएं चुनाव जीतीं।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार पर सामने आया टीएस सिंहदेव का पहला रिएक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हार के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, पार्टी को यह चिंतन करना पड़ेगा कि सारे सर्वे भी फेल हुए और हम भी नहीं भांप पाए, हमें लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार ज़रूर बनेगी। काम भी किया तभी हमें कुछ वोट मिले और क्या नहीं किया जिस कारण से वोट नहीं मिले। इस बार कांग्रेस का वोट प्रतिशत उतना ही रहा लेकिन भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। सिंहदेव ने कहा, मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐसी जीत होगी इसकी हमें उम्मीद नहीं थी, राजस्थान में हर 5 वर्ष में सरकार बदलती है, तेलंगाना संतोष का विषय रहा। छत्तीसगढ़ में सरकार बनने की पूरी बात थी, नुकसान छत्तीसगढ़ में हुआ है। मैं विधायक नहीं रहूंगा लेकिन जनता जब मुझे जहां चाहेगी मैं उनके लिए उपलब्ध रहूंगा। बतादें कि छत्तीसगढ़ में इस बदलाव की लहर में टीएस सिंहदेव भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। अंबिकापुर विधानसभा सीट से 15 साल विधायक रहे टीएस सिंहदेव कांटे के मुकाबले में 94 मतों से चुनाव हार गए हैं।

छत्तीसगढ़ में 11 लाख कर्मचारियों ने किया खेला, कांग्रेस को भारी पड़ी नाराजगी

रायपुर। 2023 छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों ने भी विधानसभा चुनाव में भूपेश सरकार को नकार दिया है। कर्मचारियों के डाक मतपत्र यही बता रहे हैं कि उनके ज्यादातर वोट भाजपा को गए हैं। कर्मचारी बकाया एरियर्स, पदोन्नति नहीं हो पाने और केंद्र के समान महंगाई भत्ता नहीं मिलने से राज्य सरकार से नाराज थे।

राज्य में कुल सात लाख अनियमित व चार लाख नियमित कर्मचारी हैं। अनियमित कर्मचारियों में इस बात का रोष था कि कांग्रेस ने 2018 के घोषणा-पत्र में संविदा व अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा किया था, लेकिन पांच साल में भी यह वादा पूरा नहीं किया गया। वहीं चार लाख नियमित कर्मचारी भी विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार से नाराज थे।

इन विषयों पर नाराज हुए कर्मचारी

- संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं होना।
- केंद्र के समान डीए मिलने में देरी।
- कार्यरत कर्मचारियों की छटनी व आउट सोर्सिंग।
- सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति।

नई सरकार से मांग पूरी होने का उम्मीद

छत्तीसगढ़ अनियमित कर्मचारी मोर्चा के संयोजक गोपाल साहू ने कहा कि 100 से अधिक अनियमित कर्मचारी संगठन कांग्रेस सरकार से नाराज थे। नियमितीकरण का वादा कर वादाखिलाफी की गई। छत्तीसगढ़ विद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महंगाई भत्ता, एरियर्स रोक दिया। वहीं, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को एरियर्स और डीए देने में कोई देरी नहीं की गई। संघ के पदाधिकारियों को अब नई सरकार से उनकी मांगे पूरी होने की उम्मीद है। मांगों को पूरा करने की उम्मीदें बंधी हुई है।

डाक मतपत्र खुलते ही भाजपा आगे

तीन दिसंबर को मतगणना के दौरान सबसे पहले डाक मतपत्रों की गणना की गई। जिसमें भाजपा प्रत्याशियों ने बढ़त बनाई रखी। सभी श्रेणियों में कुल डाक मत पत्रों की संख्या एक लाख तीन हजार 753 रही।

छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही इस्तीफे का दौर शुरू, बघेल के बाद महाधिवक्ता सतीश वर्मा, शिक्षा सचिव आलोक शुक्ला ने किया रिजाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही नई सरकार को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। रायपुर से दिल्ली तक बैठकों का दौर शुरू हो गया है। इधर, कांग्रेस के सत्ता से बाहर होते ही इस्तीफे का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बाद महाधिवक?ता सतीश वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। इधर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के छह ओएसडी को भी हटा दिया गया है। सामा?य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डा आलोक शुक्ला ने भी इस्तीफा दे दिया है। आलोक शुक्ला रिटायर्ड होने के बाद संविदा के तौर पर पद संभाल रहे थे। उन्होंने इस्तीफा देने के पीछे अपना व्यक्तिगत कारण बताया है। इसके साथ ही आलोक शुक्ला ने देवेन्द्रनगर स्थित आफिसर्स कालोनी में आवास खाली कर दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले समय कुछ और लोग भी इस्तीफा दे सकते हैं। बतादें कि छत्तीसगढ़ चुनाव नतीजों में हार के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार की रात साढ़े नौ बजे राजभवन पहुंचे। जहां उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया। बाद में उन्होंने मीडिया से कहा कि वे जनादेश का सम्मान करते हैं। पार्टी सकारात्मक विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाएगी। चुनाव परिणामों की समीक्षा की जाएगी।

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023

संपादकीय

विधानसभा का पता नहीं लेकिन सीटें बढ़ेंगी

केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में एक विधेयक पेश करने वाली है, जिसमें जम्मू कश्मीर की विधानसभा में प्रवासी कश्मीरियों, पाक कब्जे वाले कश्मीर से आए शरणार्थियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। इस बिल के जरिए राज्य में विधानसभा की सीटों की संख्या 107 से बढ़ा कर 114 किया जाएगा। ध्यान रहे जम्मू कश्मीर विधानसभा में पहले 87 सीटें थीं। इनमें से चार सीटें लद्दाख की थीं, जो अलग हो गईं। परिसीमन के बाद बची हुई 83 सीटों को बढ़ा कर 107 कर दिया गया है। अब इसमें सात सीटें और जोड़ी जा रही हैं, जिसमें कुछ मनोनयन वाली सीटें होंगी। इस विधेयक को चार दिसंबर से शुरू होने जा रहे शीतकालीन सत्र के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सवाल है कि क्या इससे यह माना जाए कि जम्मू कश्मीर में बहुत जल्दी विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं? अगर चुनाव नहीं होते हैं तो इस बिल का क्या मतलब है? ध्यान रहे राज्य में 2018 से ही विधानसभा भंग है। जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा भले अगस्त 2019 में खत्म किया गया लेकिन उससे पहले नवंबर 2018 में ही विधानसभा भंग कर दी गई थी। उस समय राष्ट्रपति शासन लागू था और कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस व पीडीपी ने मिल कर सरकार बनाने का प्रस्ताव तब के राज्यपाल सत्यपाल मलिक को भेजा था। लेकिन बताया गया कि राजभवन की फैक्स मशीन खराब हो गई थी इसलिए उनको प्रस्ताव नहीं मिला और उन्होंने विधानसभा भंग करने की सिफारिश राष्ट्रपति को भेज दी। बहरहाल, तब से राज्य में विधानसभा भंग है। इस बीच परिसीमन, आरक्षण, मनोनयन सब हो रहा है, सरकार के हिसाब से विकास भी खूब हो रहा है और शांति भी बहाल हो गई है, सिर्फ विधानसभा का चुनाव नहीं हो रहा है।

माथुर, मांडविया, नबीन, साव, डॉ. रमन से मिले भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक

छत्तीसगढ़ राज्य की समृध्दि के लिए अभी से ही जुट जाएं - माथुर

जनता की उम्मीदों को अपना कर्तव्य समझ कर पूरा करना है - मांडविया

विधायक ऐसा काम करें कि लोकसभा चुनाव में 11 कमल खिल जाएं - नबीन

जन आकांक्षाओं का सम्मान हमारी पहली जिम्मेदारी - साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया, संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरूण साव एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से आज भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने बड़ी संख्या में भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रदेश प्रभारी श्री माथुर एवं सह प्रभारी श्री नबीन ने इस अवसर पर नवनिर्वाचित विधायकों से अत्यंत स्नेह एवं आत्मीयता से संवाद करते हुए उन्हें निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायक छत्तीसगढ़ राज्य के विकास एवं राज्य की जनता के बेहतर भविष्य के लिए अपने संपूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे ताकि छत्तीसगढ़ राज्य देश के बड़े और विकसित राज्यों की श्रेणी में फिर से शामिल हो सके।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर ने नवनिर्वाचित विधायकों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जनता ने भाजपा पर भरोसा करते हुए आप सभी को छत्तीसगढ़ का भविष्य बनाने का जिम्मा सौंपा है और आप सभी की पहली जिम्मेदारी यही है कि अपनी निर्वाचक जनता और अपने क्षेत्र के विकास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य की समृध्दि के लिए पहले दिन से ही जुट जाएं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया ने नवनिर्वाचित विधायकों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि आप सभी अभी से जनता की सेवा के लिए तैयार हो जाएं। जनता ने जो विश्वास आप पर व्यक्त किया है उस पर सभी को खरा उतरना है। प्रदेश की जनता ने आप पर, आपकी पार्टी पर अपनी उम्मीदें व्यक्त की हैं। जनता उस पर भरोसा करती है जिससे उसे उम्मीद होती है। हमारी जीत जनता के इसी विश्वास का प्रतिरूप है और हमें जनता की उम्मीदों को अपना कर्तव्य समझ कर पूरा करना है। प्रदेश भाजपा सह प्रभारी नितिन नबीन ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने आपको सेवा का अवसर दिया है इसे जनता का आशीर्वाद मानकर जनता के विश्वास को बनाए रखना आपका दायित्व है। आप केवल एक विधायक नहीं है बल्कि आप छत्तीसगढ़ की जनता की उम्मीदों का प्रतीक हैं। आप भाजपा के प्रतिनिधि है जनता ने भाजपा को छत्तीसगढ़ के विकास की जिम्मेदारी सौंपी है तो इस जिम्मेदारी को आप सभी को पूरा करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरूण साव ने नवनिर्वाचित विधायकों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को भय और आतंक से मुक्त कराने के लिए, छत्तीसगढ़ राज्य के समग्र विकास और जनता की बेहतरी के लिए हमें जनादेश मिला है। इस जनादेश को हम सब प्रणाम करते है और निरंतर आगे बढ़ना है, जनता का विश्वास बनाएं रखना है यह जन विश्वास जो छत्तीसगढ़ में खिले 54 कमल के रूप में हमें मिला है वह हमें अपने कर्तव्यबोध का अनुभव करा रहा है कि जनता ने हम पर अपनी सारी आकांक्षाएं न्यौछावर की हैं। इन आकांक्षाओं का सम्मान हमारी पहली जिम्मेदारी है। भाजपा के सभी विधायक तैयार रहें कि उन्हें चौबीसों घंटे जनता के हित में काम करना है। इस दौरान सुश्री लता उसेण्डी, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, विजय शर्मा, ओ.पी. चौधरी, , किरण सिंह देव, रामविचार नेताम, श्रीमती गोमती साय, श्यामबिहारी जायसवाल, भैयालाल राजवाडे, भूलन सिंह मरावी, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, श्रीमती रायमुनि भगत, लखनलाल देवांगन, प्रेमचन्द पटेल, प्रणव कुमार मरपच्ची, सुशांत शुक्ला, संपत अग्रवाल, योगेश्वर राजू सिन्हा, टंक राम वर्मा, अनुज शर्मा, पुरन्दर मिश्रा, गुरू खुशवंत सिंह, इन्द्रकुमार साहू, रोहित साहू, ललित चंद्राकर, गजेन्द्र यादव, रिकेश सेन, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू, दीपेश साहू, दयालदास बघेल, श्रीमती भावना बोहरा, आशाराम नेताम, , विनायक गोयल, चैतराम अटामी ने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

'सत्ता की चाटुकारिता नहीं जनपक्षीय पत्रकारिता'

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 07828866957 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध- सम्पादक- भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क- 07828866957, 09303890212

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023

सार-समाचार

युवक पर धारदार हथियार से हमला

रायपुर। रिंग रोड नंबर 2 स्थित गोंदवारा में दो युवकों ने एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कमल कुमार कुर्रे 31 वर्ष गोंदवारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि कल रात गोंदवारा स्थित साहू होटल के पास आरोपी सिद्धार्थ गिरी गोस्वामी अपने दोस्त के साथ आया और प्रार्थी के भाई अजय कुर्रे से गाली-गलौज कर धारदार हथियार से पेट व जांघ पर हमला कर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 307, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक से मारपीट, बलवा का मामला दर्ज

रायपुर, । विजलीवुड छेरीखेड़ी के पास 7 युवकों ने एक राय होकर युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बलवा का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी शाहिद इकबाल 32 वर्ष गुढियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी करण चौहान अन्य 6 लोगों के साथ मिलकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 147, 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

रायपुर। देशी शराब भट्टी छोटे उरला के पास पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर शराब के बॉटल से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सोनू पाल 20 वर्ष गातापार अभनपुर का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी यशवंत सेन ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पूर्व विवाद को लेकर युवक को पीटा

रायपुर। छोटा अशोक नगर गुढियारी में पूर्व विवाद को लेकर तीन युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मंगल साहू 34 वर्ष छोटा अशोक नगर गुढियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी ओमप्रकाश यादव अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी के पास आया और पूर्व विवाद के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506 बी, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

भाजपा विधायक दल की बैठक स्थगित

रायपुर। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर छत्तीसगढ़ भाजपा के निर्वाचित 54 विधायकों को आज सोमवार प्रात: 11:00 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर बोरियाकला पहुंचने का निर्देश दिया गया था। यहां एक महत्वपूर्ण बैठक होनी थी, जो कि स्थगित कर दी गई है। विश्वसनीय सूत्र यह बता रहे हैं कि भाजपा विधायकों की बैठक, प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश माथुर, प्रदेश के सहप्रभारी नितिन नवीन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख भाई मांडवीया नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक लेने वाले थे। बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर भी चर्चा की संभावना थी। इसके पहले उपरोक्त तीनों नेता, केंद्रीय नेतृत्व से निर्देशानुसार भाजपा विधायक दल के नेता का भी चयन होना था।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के जिन 22 सीटों पर अपने विधायकों का काटा था टिकट, वहां 14 सीटों पर भाजपा ने किया कब्जा

रायपुर। कांग्रेस के जिन 22 सीटों पर अपने वर्तमान विधायकों का टिकट काटा था, उनमें से 14 सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया है। कांग्रेस केवल आठ सीटों पर ही सफलता प्राप्त कर पाई। एक सीट पाली तानाखार पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कब्जा किया है। कांग्रेस ने इस उम्मीद के साथ विधायकों का टिकट काटा था कि इन सीटों पर वर्तमान विधायकों का जनाधार कमजोर है। इसलिए प्रत्याशी बदले जाने पर पार्टी को जीत मिल सकती है, लेकिन कांग्रेस की यह तरकीब काम नहीं आई, बल्कि फायदा भाजपा को हुआ।
भाजपा ने यहां बड़ी रणनीति पर काम किया। भाजपा ने यहां कांग्रेस प्रत्याशियों के मुकाबले दमदार प्रत्याशियों को टिकट दिया। आखिरकार परिणाम चौकाने वाले रहे। विधायकों का टिकट काटा, साथ में कांग्रेस को हार का भी सामना करना पड़ा। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 15 साल बाद सत्ता में वापसी की थी। कांग्रेस ने 68 सीटों के साथ

अपनी सरकार बनाई थी। 2018 में भाजपा के कई बड़े चेहरों को हार का सामना करना पड़ा था। ठीक इसी तरह अब कांग्रेस के दिग्गजों को मुंह की खानी पड़ी है।

कांग्रेस ने इन सीटों पर काटा था 22 विधायकों का टिकट

महासमुंद- हारे सरायपाली-जीते सिहावा-जीते नवागढ़-हारे पंडरिया-हारे खुज्जी- जीते डोंगरगढ़-जीते अंतागढ़-हारे चित्रकोट-हारे दंतेवाड़ा-हारे कांकेर-हारे प्रतापपुर-हारे बिलाईगढ़- जीते मनेंद्रगढ़- हारे रामानुजगंज-हारे सामरी-हारे लैलूंगा-जीते पालीतानाखार- जीते जगदलपुर-हारे धरसीवा-हारे रायपुर ग्रामीण-हारे कसडोल-जीते

भाजपा सीट बचाने में कामयाब रही

भाजपा ने जिन दो विधायकों को टिकट काटी। उनमें बेलतरा और बिंद्रानवागढ़ विधानसभा सीट से हैं। बिंद्रानवागढ़ कांग्रेस और बेलतरा सीट भाजपा को सफलता मिली है। भाजपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों के हिस्से में 2023 के विधानसभा चुनाव में 88.50 प्रतिशत वोट मिले हैं। बीते विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को 77 प्रतिशत वोट मिले थे।

तीसरे मोर्चे पर सूपड़ा साफ

तीसरे मोर्चे का सूपड़ा साफ हो गया है। आम आदमी पार्टी, बसपा, जकांछ सहित चुनाव के समय उभरी कई क्षेत्रीय पार्टियों को भी हार का सामना करना पड़ा। पाली-तानाखार से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रत्याशी को एक मात्र सीट पर जीत मिली है। तीसरे मोर्चे को जहां करारी शिकस्त मिली। प्रदेश में इनका जनाधार भी घटता नजर आ रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और तीसरे मोर्चे के चंद्रशेखर की सभाएं बेअसर रहीं।

प्रदेश में बदली सत्ता: उपार्जन केंद्रों में धान की आवक होगी तेज

कोरबा। 3100 प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीदी करने वाली भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की सत्ता पर आसीन हो रही है। माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में किसानों के द्वारा धान की बिक्री उत्पादन केदो में की जाएगी। वे विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर रुके हुए थे।
कोरबा जिले में इस बार 69524 हेक्टेयर में किसानों के द्वारा धान की फसल ली गई है। बढ़ोतरी के साथ 62 जगह पर धान का उपार्जन करना सुनिश्चित किया गया है। 50244 किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन धान बेचने के लिए किया है। सरकारी कार्यक्रम के अंतर्गत 1 नवंबर 2023 से कोरबा सहित सभी जिलों में धान की खरीदी शुरू कर दी गई है लेकिन चुनाव संबंधी कारणों से चार दिन पहले तक 7056 मेट्रिक टन धान इन केदो में पहुंची है। एक महीना बीतने के बाद धान की यह क्वांटिटी ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह धान के पूर्व घोषित समर्थन मूल्य और बाद में चुनावी घोषणा के अंतर्गत दी जाने वाली राशि को माना जा रहा है। भारत सरकार ने विभिन्न प्रकार के अनाज की खरीदी के लिए अलग-अलग समर्थन मूल्य घोषित किया है जिसमें धान के लिए 2200 रुपए की राशि प्रति कुंतल के लिए फिक्स है। चुनावी सीजन में किसानों के लिए कांग्रेस और भाजपा के द्वारा आकर्षक ऑफर पेश किए गए थे। कांग्रेस ने 3200 का ऑफर दिया था तो भाजपा ने सरकार बनने पर 3100 रुपए की दर पर धान खरीदने की घोषणा की थी। चुनावी सीजन में यह सब हुआ था ऐसे में किस असमंजस में थी कि आखिर बिक्री अभी करें या बाद में। इसी का नतीजा रहा की एक महीने तक खेतों से काटी गई फसल उपार्जन केदो तक नहीं पहुंच सके। 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजे सामने आने के साथ भाजपा की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। कोरबा जिले के धान खरीदी केदो से संबंधित कर्मचारी ने संभावना जताई है कि एक-दो दिन में टोकन के साथ-साथ धान आने की रफ्तार बढ़ सकती है। योजना के अनुसार जिन किसानों ने इससे पहले धान का विक्रय कर दिया है वे स्वाभाविक रूप से अंतर की राशि पाने के पात्र होंगे जबकि आगामी तिथि में उपार्जन करने वालों को नई दर से भुगतान होगा। जिले के सभी खरीदी केदो में आवश्यक तैयारी पहले से ही की जा चुकी है। इधर मौसम परिवर्तन और बारिश की संभावना को ध्यान में रखने के साथ नियंत्रण को लेकर जरूरी जतन किए जा रहे हैं।
कृषि क्षेत्र के साथ-साथ राजनीति में माहिर लोगों ने प्रदेश में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार की जीत को लेकर कहां है कि इसके पीछे कई फैक्टर प्रभावि रहे। विशेष रूप से किसानों के मामले में समर्थन मूल्य का एकमुश्त भुगतान किया जाना लोगों को ज्यादा अट्रैक्ट कर गया। बार-बार की झंझट को लेकर बीते वर्षों में परेशान होने वाले किसानों में भाजपा की यह घोषणा अपील कर गई।

छत्तीसगढ़ में चल गया मोदी मैजिक

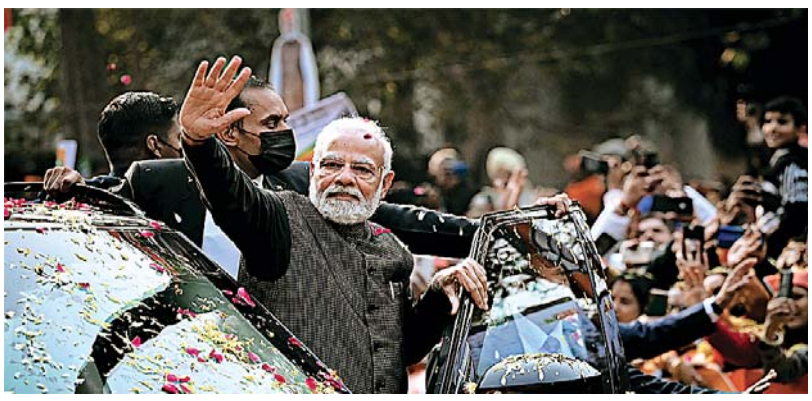

दुर्ग। चुनाव के 6 महीना पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हराना नामुमकिन माना जा रहा था, उसे चुनाव परिणामों ने झुठला दिया। मोदी का जादू छत्तीसगढ़ में चल गया। छत्तीसगढ़ में सनातनी के साथ मोदी फैक्टर चुनाव में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।
पीएम मोदी की कुशल रणनीति जिसे मोदी मैजिक कहा जाता है, छत्तीसगढ़ में अप्रत्याशित परिणाम दे गया।
पीएम मोदी ने राज्य में चुनावी रैलियां कर अपने दम पर वोट मांगा । उन्होंने वादा किया कि छत्तीसगढ़ का विकास उनकी गारंटी है । उन्होंने कांग्रेस और खासकर भूपेश बघेल पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लगाए। वैसे भी पीएम मोदी आक्रामक चुनाव प्रचार करते हैं । छत्तीसगढ़ में पहले ही रैली में उन्होंने यह कहकर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली कि छत्तीसगढ़ की जनता को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण का न्योता देने आए हैं । भाजपा ने पीएम मोदी की छत्तीसगढ़ में पांच सभाएं दुर्ग, विश्रामपुर , मुंगेली और महासमुंद इलाके में करवाया । उन सभी 6 विधानसभा सीटों में बीजेपी जीती भी। विश्रामपुर के दतिया में हुई सभा के जरिए भाजपा ने भाजपा और प्रेम नगर सीट को भी साधा। इस तरह से देखें तो पीएम मोदी की सभाओं का सक्सेस रेट बम्फर रहा। बीजेपी का वोट प्रतिशत 2018 में 32.97 प्रतिशत था, जो बढ़कर 40.27 प्रतिशत हो गया। दूसरी ओर कांग्रेस का वोट प्रतिशत 42.23 प्रतिशत रहा।
जानकारों की माने तो बीजेपी के पारंपरिक वोट जो 2018 में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस की तरफ चले गए थे, इस चुनाव में वापस लौट आए। जनजाति बहुल सरगुजा क्षेत्र में कांग्रेस सभी 14 सीट हार गई। भाजपा 2018 में जीती हुई 15 में 8 सीट बचाने में कामयाब रही। साथ ही साथ उसने कांग्रेस की 43 सीटों को भी अपने खाते में डाल लिया ।
मोदी मैजिक का नतीजा यह रहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा को वह कामयाबी मिली जो अब तक के चुनाव में नहीं मिल पाई थी।

कुदमुरा रेंज में सक्रिय 37 हाथियों का दल, 26 हाथी चले धरमजयगढ़ की ओर, 11 अमलडीहा में मौजूद

कोरबा। जिले के कुदमुरा रेंज में सक्रिय 37 हाथियो के दल में से 26 हाथी बीती रात दल से अलग होकर पडोसी धरमजयगढ़ क्षेत्र चले गए । जबकि 11 हाथी अभी भी रेंज के अमलडीहा गांव के जंगल में मौजूद है। बड़ी संख्या में हाथियो के अन्यत्र जाने से यहां वन अमले ने राहत महसूस की है। लेकिन हाथियो के पुन: वापस लौटने की संभावना को देखते हुए अमला सावधानी बरत रहा है। उधर कटघोरा वन मंडल के एतमा नगर, केंदई तथा पसान रेंज में हाथियो का तीन दल गुरसिया, खुरूपारा, तथा बनिया सर्किल के सरमा में विचरण कर रहा है हाथियो के इन दलों ने अभी कोई बड़ा नुकसान किया है। लेकिन रास्ते में चलते समय कुछ खेतो में खंड़े धान की फसल को नुकसान पहुंचा दिया है। हाथियो के तीन रेंज के 3 अलग-अलग जगहों पर होने से वन विभाग की परेशानी बढ़ गयी है। क्योंकि अलग-अलग स्थानों पर वन अमले को निगरानी करनी पड़ रही है।

इस चुनाव के मायने

हर चुनाव कुछ सबक दे जाता हैं। हार और जीत चुनाव के दो पहलू है।
2018 में जब कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में लौटी, तब लोगों में बहुत उम्मीदें थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद भूपेश सरकार ने एक से बढ़कर एक जन कल्याणकारी निर्णय भी लिया। किंतु समय के साथ सरकार अपने ढर्रे पर आ गई। सरकार के तीन बड़े चेहरे भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू और सिंहदेव के बीच आपसी संबंध सतही हो गए। लोगों ने पूरे 5 साल तक इस बात का एहसास किया कि कांग्रेस के बड़े लीडर भले ही एक मंच पर साथ नजर आते हो , मगर उनके बीच पटरी नहीं बैठ रही है।
दिल्ली कांग्रेस हाई कमान भी छत्तीसगढ़ सरकार के इन नेताओं के बीच सामंजस्य बनाने की बजाय भ्रम ज्यादा पैदा किया । एक सर्वमान्य शीर्ष नेतृत्व के अभाव में छत्तीसगढ़ सरकार आखरी 3 सालों में मनमानी पर उतर आई थी।
छत्तीसगढ़ सरकार में कई घटनाक्रम हुए और लोग ठगे से देखते रहे । यहां तक सरकारी संरक्षण में सट्टे को भी प्रश्रय दिया गया। ट्रांसफर, नई नौकरी जैसे चीजों पर सरकारी दलालों का हस्तक्षेप हद से ज्यादा बढ़ गया। सरकार के मंत्री आमजन समाज में इतना हस्तक्षेप करने लगे कि गौठान और स्कूल विकास समिति के सदस्यों की नियुक्ति भी अपनी मर्जी से करने लग गए थे।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023

रायपुर के उत्तर में बागी, ग्रामीण में भितरघात और दक्षिण में कांग्रेस का जातिवाद समीकरण रहा फेल

भितरघात के कारण पंकज शर्मा को हारे

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जातिवाद का समीकरण भी कांग्रेस को फायदा नहीं पहुंचा पाया। यहां मौदहापारा जैसे अल्पसंख्यक इलाके में भी जनता ने कांग्रेस के बजाय भाजपा को ज्यादा पसंद किया। यहां तीन हजार की आबादी में से लगभग 1,800 मत बीजेपी के पक्ष में पड़े। इसकी वजह से भाजपा को फायदा मिला। इसके अलावा रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भितरघात के कारण पंकज शर्मा को हार का सामना करना पड़ा।

ग्रामीण में टिकट नहीं मिलने की नाराजगी

रायपुर ग्रामीण विधानसभा में कांग्रेस की ओर से कांग्रेस से पार्षद और एमआइसी सदस्य नागभूषण राव ने भी टिकट की दावेदारी की थी। इसके बाद कांग्रेस से प्रत्याशी बनाए गए पंकज शर्मा के विरोध में खुलकर आए थे। इसकी वजह से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने नोटिस भी जारी किया था, जिसके बाद जवाब देने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई थी। उन्होंने खुलकर कांग्रेस का समर्थन नहीं किया। इसकी वजह से ग्रामीण में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा।

रायपुर। रायपुर की सभी सातों विधानसभा सीटों पर भाजपा ने एकतरफा कब्जा किया। यहां कांग्रेस का जातिवादी समीकरण फेल तो हुआ ही, साथ ही विकास और छत्तीसगढ़ियावाद का किला भी ढह गया। इसके पीछे प्रमुख भूमिका भितरघाती और बागियों की ही रही। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में खुलकर बागी होकर बतौर निर्दलीय प्रत्याशी खड़े हुए अजीत कुकरेजा ने कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाया। यहां कुकरेजा को 22,939 मत मिले। वहीं, कांग्रेस और भाजपा के बीच हार का अंतर भी 23,054 ही रहा। ऐसे में अगर कुकरेजा कांग्रेस से बागी न हुए होते तो यहां का मुकाबला काफी हद तक कांग्रेस के पक्ष में होता।

पश्चिम में हिंदुत्व का परचम- विधानसभा चुनाव 2023 से पहले जितनी भी धार्मिक सभाएं पश्चिम विधानसभा में आयोजित की गईं, शायद किसी और विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की सभाएं नहीं हुईं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और हिंदुत्ववाद का भी परचम यहां साफ तौर पर देखने को मिला। इसका सीधा फायदा बीजेपी को मिला और जनता ने कांग्रेस को सिरे से खारिज कर दिया।

आरंग में जातिगत समीकरण नहीं साध पाए

आरंग में कांग्रेस के मंत्री डा. शिव डहरिया का सामना गुरु खुशवंत के साथ हुआ। दोनों एक ही जाति के रहे, लेकिन खुशवंत को धर्मगुरु होने का सीधा फायदा मिला। इसकी वजह से यहां से शुरुआती दौर में तो कांग्रेस को बढ़त मिली, लेकिन दो से तीन राउंड के बाद जो पासा पलटा वह अंत तक नहीं बदल पाया।

अभनपुर और धरसींवा में बदलाव की बयार

अभनपुर में पिछले कई वर्षों से विधायक रहे धनेंद्र साहू और इंद्र कुमार साहू के बीच मुकाबला हुआ। यहां बदलाव की बयार और एंटी इन्कम्बेंसी ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। कुछ इसी तरह धरसींवा में अनुज शर्मा को अनीता योगेंद्र शर्मा के टिकट कटने और राज्य सभा सांसद की निष्क्रियता का फायदा मिला।

आदर्श आचार सहिंता समाप्त, भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किया आदेश

रापयुर। भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम से आदर्श आचार सहिंता समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया है. बता दें कि 9 अक्टूबर से इन चुनावी राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू थी. जिसे निर्वाचन आयोग ने समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की तारीख से लागू होते हैं और यह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहते हैं. अब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मिजोरम, राजस्थान और तेलंगाना की राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव, 2023 और नागालैंड के 43-तापी (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए उप-चुनावों के परिणाम संबंधित रिटर्निंग द्वारा घोषित किए गए हैं. आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से हटा दी गई है।

दलितों ने कांग्रेस तो आदिवासियों ने भाजपा पर ज्यादा जताया भरोसा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि राज्य में दलितों ने कांग्रेस पर ज्यादा भरोसा जताया है। अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए आरक्षित 10 सीटों में से कांग्रेस को छह और भाजपा को चार सीटें मिली हैं। वहीं अनुसूचित जनजाति (एसटी) यानी आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित प्रदेश की 29 सीटों में भाजपा को 16, कांग्रेस 12 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक सीट मिली है। वर्ष 2018 के चुनाव में एसटी वर्ग की 29 में से दो सीटें ही भाजपा के पास थीं। बाकी 27 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। इसी तरह एससी की 10 में सात पर कांग्रेस, दो पर भाजपा और एक पर बसपा के विधायक थे।

एससी की 10 विधानसभा सीट पर दलों की स्थिति

दल	2003	2008	2013	2018	2023
कांग्रेस	4	4	1	7	6
भाजपा	4	5	9	2	4
बसपा	2	1	0	1	0

अजजा (एसटी) की सीटों पर दलों की स्थिति

चुनावी वर्ष	कुल सीट	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
2023	29	16	12	1
2018	29	26	3	0
2013	29	18	11	0
2008	29	19	10	0
2003	34	25	9	0

एससी सीट में कांग्रेस से ये जीते

सारंगढ़ से उत्तरी जांगड़े, सराईपाली से चातुरीनंद, मस्तुरी से दिलीप लहरिया, पामगढ़ से शेषराज हरबंस, बिलाईगढ़ से कविता प्राण लहरे, डोंगरगढ़ से विधायक हर्षिता स्वामी बघेल चुनाव जीती हैं ।

एससी सीट में भाजपा से ये जीते

आरंग से गुरु खुशवंत साहेब, अहिवारा से डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, नवागढ़ से दयालदास बघेल और मुंगेली से पुन्नूलाल मोहले चुनाव जीते।

एसटी वर्ग ने कभी भाजपा, तो कभी कांग्रेस का दिया साथ

2018 में कांग्रेस ने एसटी के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 26 सीटों पर और भाजपा ने तीन सीटों पर जीत हासिल की थी। बाद में उपचुनाव के बाद कांग्रेस के पास 27 सीटें हो गई है और भाजपा के पास दो सीटें ही बचीं थी। 2013 के चुनाव में 29 में से 18 सीटों पर जीत के बाद भी कांग्रेस सत्ता से दूर थी। जबकि भाजपा 11 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2008 के चुनाव में भाजपा ने 29 सीटों में से 19 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाई थी। तब कांग्रेस को इन सीटों में से केवल 10 सीटों पर ही जीत मिली थी।

भिलाईनगर विस चुनावी परिणाम की चर्चा बना हमले का कारण

युकां नेता पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

पलाश लिमेश, युंका नेता — विक्की सिंह, आरोपी

भिलाई। भिलाई नगर विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद रविवार की रात जेवरा सिरसा पुलिस चौकी अंतर्गत क्षेत्र में मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। घटना में भिलाई नगर के विधायक देवेन्द्र यादव के कट्टर समर्थक और वैशाली नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष फ्लाश लिमेश 27 वर्ष पिता प्रकाश लिमेश को चाकू के हमले में गंभीर चोंटे आई है। जिसका श्री शंकराचार्य हॉस्पीटल के आईसीयू में उपचार चल रहा है। मामले में घायल फ्लाश के मित्र अश्वित देवानी वैशाली नगर निवासी की रिपोर्ट पर जेवरा सिरसा पुलिस ने आरोपी विक्की सिंह 26 वर्ष पिता लाखन सिंह पोटिया रोड दुर्ग निवासी के खिलाफ धारा 294,506 व 307 के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के बाद हरकत में आई पुलिस द्वारा आरोपी विक्की सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने आरोपी की काले रंग की फारच्युनर कार क्र. सीजी 07 सीडी 9994 को भी जप्त कर लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी इसी कार से फरार हो गया था। पुलिस ने चाकू भी जप्त कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युकां नेता फ्लाश लिमेश रविवार की रात भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र का परिणाम आने के बाद अपने मित्र अश्वित देवानी व अन्य के साथ भोजन करने जेवरा सिरसा रोड स्थित लजीजपुर ढाबा गया हुआ था। इस दौरान फ्लाश अपने मित्रों के साथ भोजन करते हुए भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव की जीत को लेकर उत्साह के साथ चर्चा कर रहे थे। तभी ढाबा में पहले से बैठे आरोपी विक्की सिंह ने फ्लाश और उसके साथियों की चर्चा को लेकर जबरदस्ती उलझने लगा।जिसका फ्लाश व उसके साथियों द्वारा विरोध किया गया। जिससे आरोपी विक्की सिंह ने गाली गलौच करते हुए मारपीट करना शुरु कर दिया। इस दौरान विक्की सिंह ने अपने पास रखे चाकू से फ्लाश लिमेश पर हमला कर दिया और कार से फरार हो गया। चाकू के हमले में फ्लाश को पेट में चोंटे आने से उसके मित्रों द्वारा उसे श्री शंकराचार्य अस्पताल लाकर भर्ती करवाया गया। चाकू से फ्लाश को पेट पर तीन स्थानों पर चोंटे आई है। जिसके चलते फ्लाश का आईसीयू में उपचार चल रहा है। घटना की खबर पर घायल युकां नेता फ्लाश लिमेश की कुशलक्षेम जानने युकां नेता सुमीत पवार, विभोर दुरगरकर के अलावा अन्य युकां व एनएसयूआई के कार्यकर्त्ता रात में ही अस्पताल पहुंचे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547